

# LOOK N LEARN CHILDREN'S JAIN E-book

Serial No. 46

The knowledge of  
32 Aagams  
in your phone



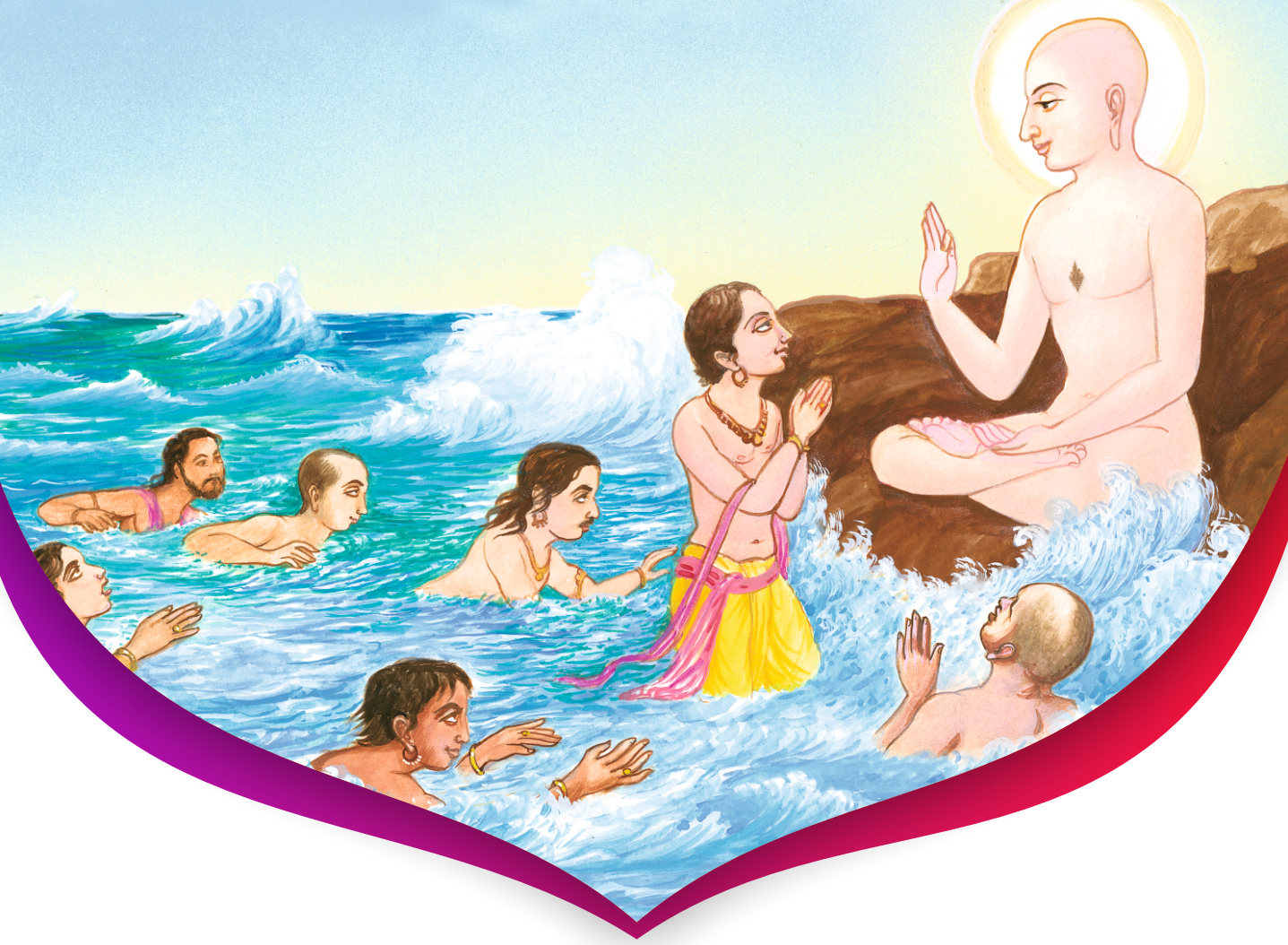
To subscribe please  Watts app - Jai Jinendra on +91 8104461579

Inspired by Rashtrasant Param Gurudev Shree Namramuni Maharaj Saheb

## बोधि - Bodhi



बोधि का अर्थ है रुचि!... Bodhi means Ruchi (Interest)



अनंता पुण्योदय से  
परमात्मा मिलते है, गुरुदेव मिलते है

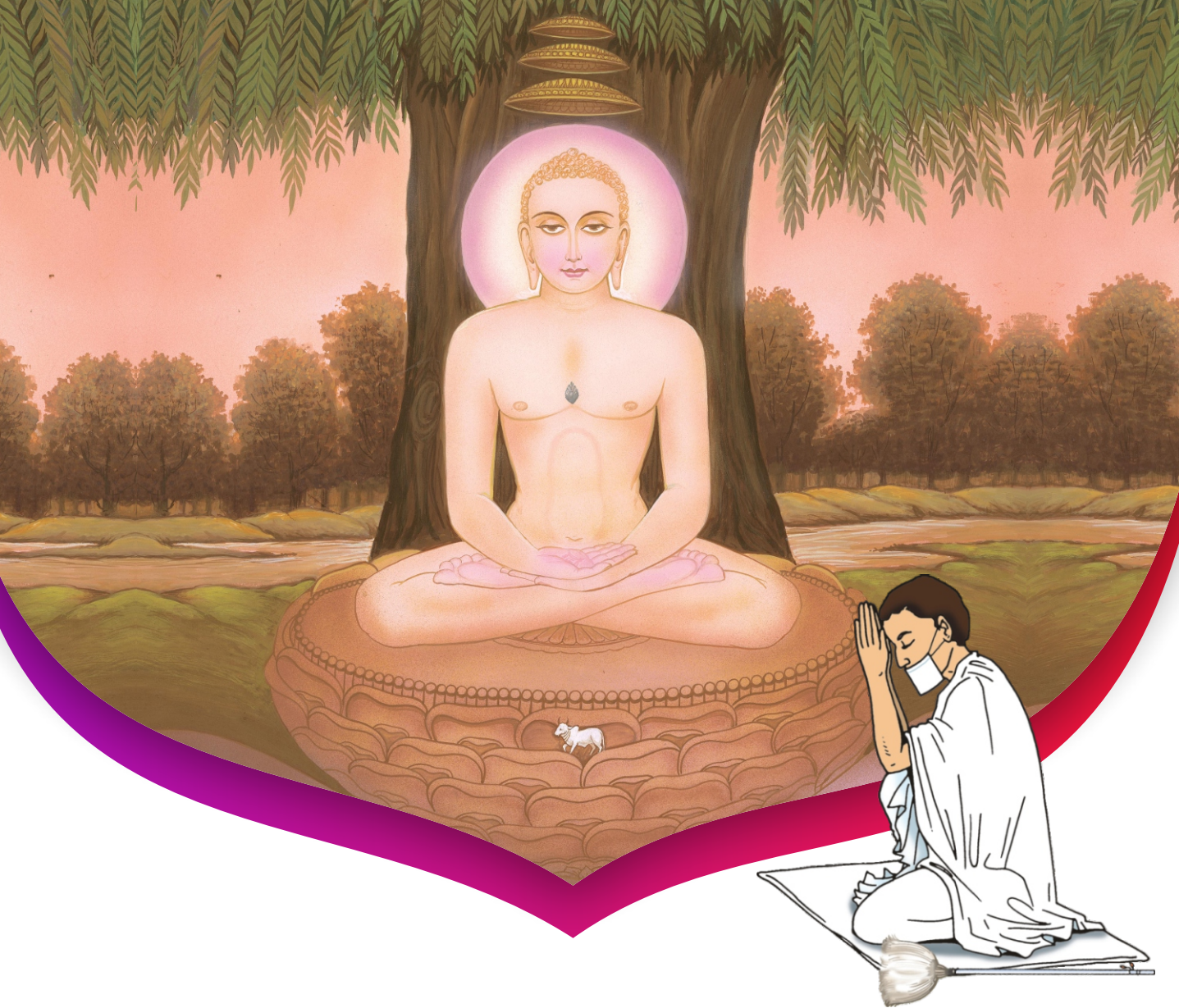
Due to the uday of Ananta Punya  
we can have sanidhya  
of Parmatma and Guru



“बोधि की प्राप्ति के लिए नमोत्थुणं बोलना जरूरी है”  
बोधि यानि देव, गुरु और धर्म के प्रति उत्कृष्ट भाव...

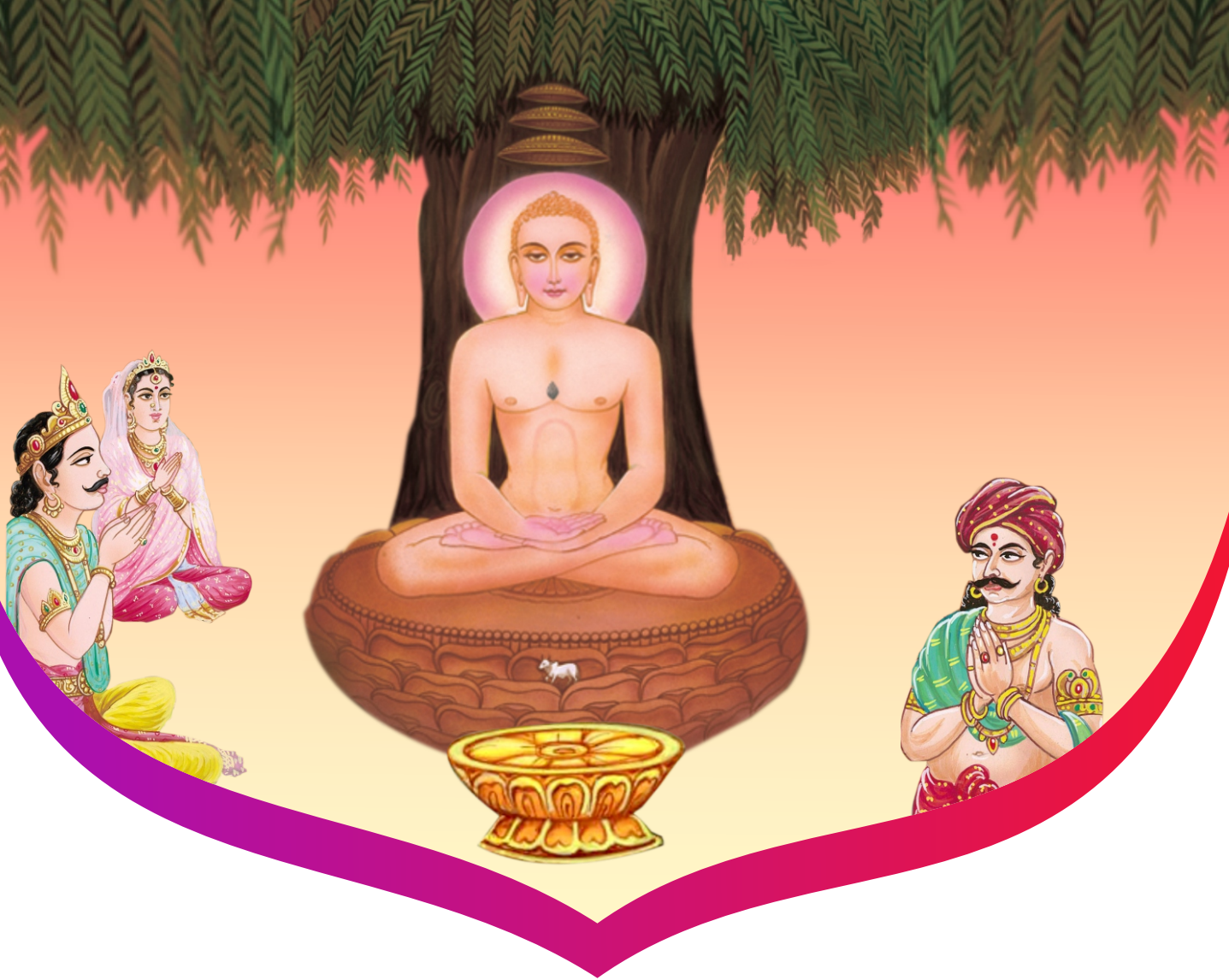
“To attain Bodhi , it is essential to recite  
Namothonam Stotra”

Bodhi means to have immense feeling for  
Dev, Guru and Dharma



मन, वचन और काया की एकता के साथ इस स्तोत्र का पाठ करना सर्वश्रेष्ठ है।

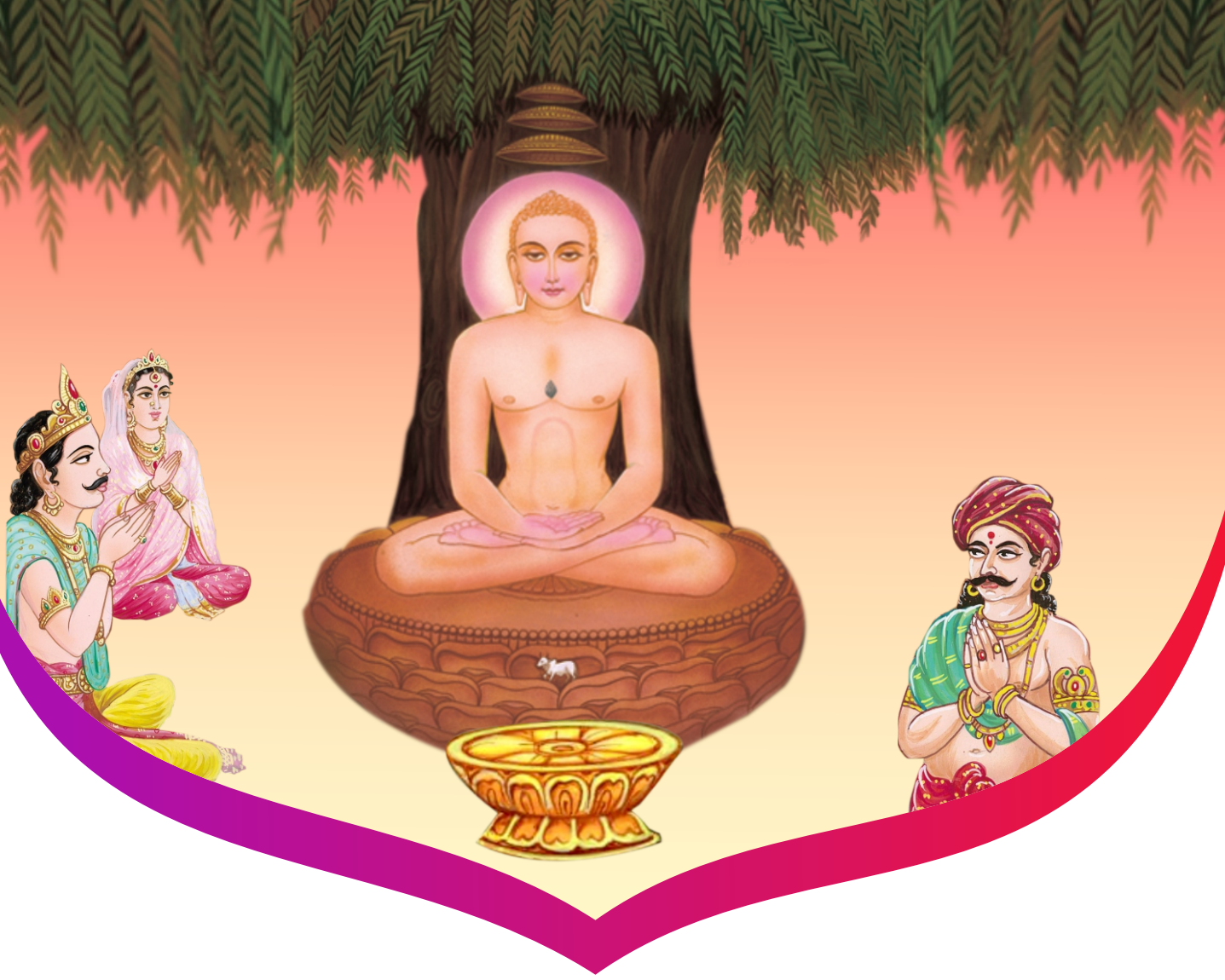
*It is best to recite this Stotra with the oneness of Mann, Vachan and Kaya.*



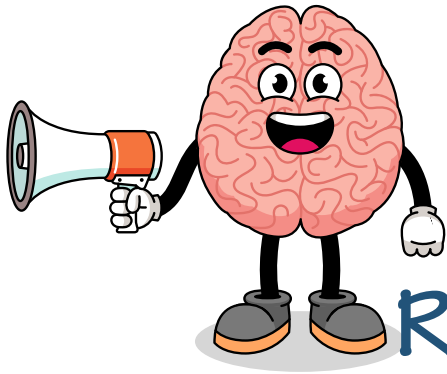
मन से  
देव, गुरु को समर्पित होकर



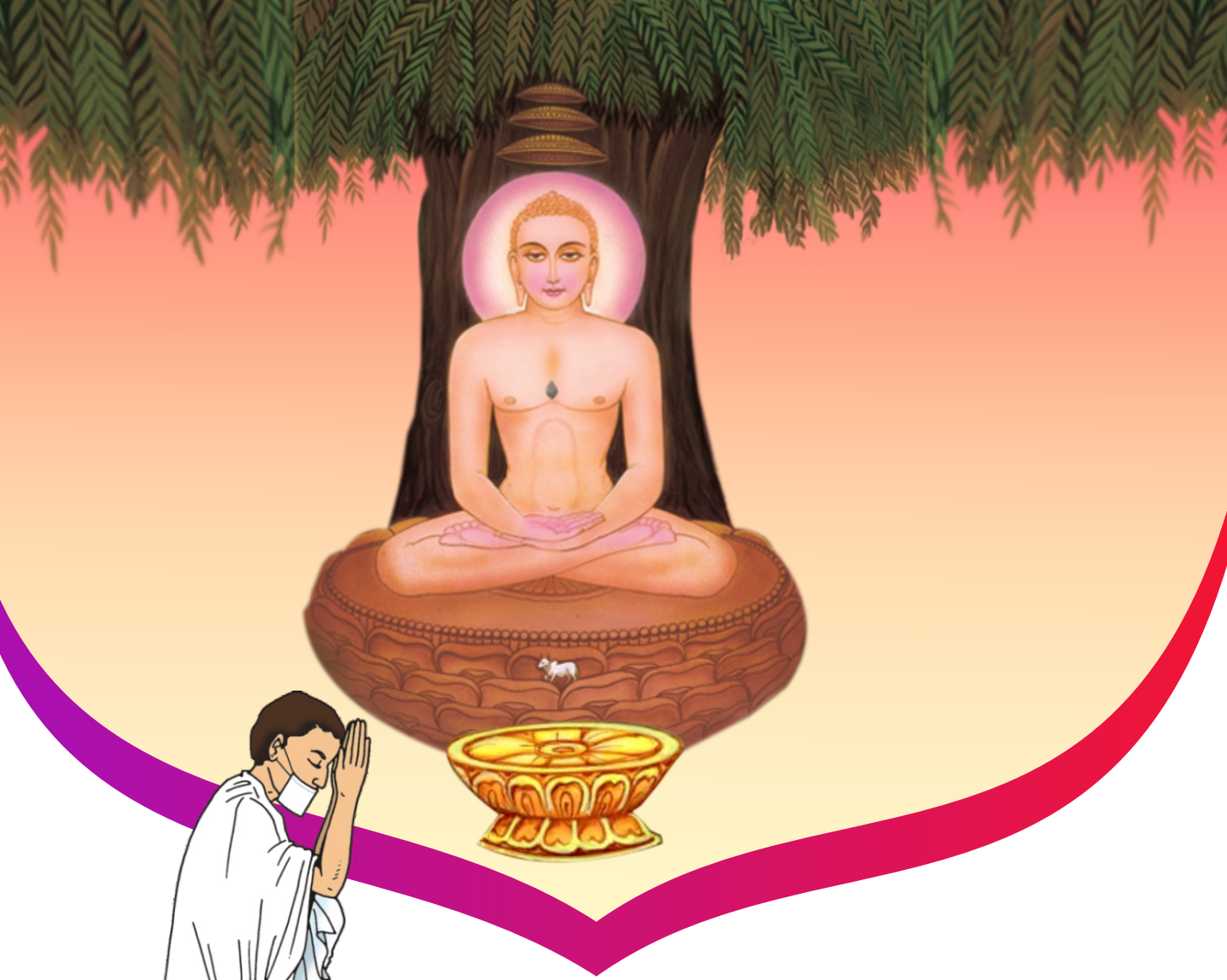
Through Mind  
Surrender to your Guru



वचन से  
शब्दों द्वारा स्तुति बोलकर



Through Speech  
Reciting with the Words



काया से  
मुद्रा में बैठकर

Through Body  
Sitting in the right posture





# Benefits of Reciting Namothunam

- वीरता की प्राप्ति के लिए
- **To become brave**
- निडर, निर्भय बनने के लिए
- **To become fearless and courageous**
- उपकारीओं के उपकारों का स्वीकार करने के लिए
- **To accept the upkar bhaav of the param upkari**
- अरिहंत, सिद्ध और गुरु भगवंत के प्रति अहोभाव प्रगटाने के लिए
- **To express gratitude towards Arihant, Siddha and Guru Bhagwant.**
- देवगुरु का ऋण तो कभी भी हम लौटा नहीं सकते...  
परंतु उनके ऋण का स्वीकार करने के लिए